राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केन्द्र (रा॰म॰अ॰मौ॰पू॰के॰)

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार

स्वतंत्र भारत के 75 वर्ष पूरे होने का उत्सव

"आज़ादी का अमृत महोत्सव"

#अमृत-महोत्सव

#AmritMahotsav

"राष्ट्र की आत्मनिर्भरता में मौसम एवं जलवायु विज्ञान का योगदान"

मार्च २२, २०२१ | प्रातः १०:०० बजे से

कार्यक्रम विवरण		समय
उद्घाटन समारोह		**10:00 – 10:30**
प्रमुख डॉ. आशीष कुमार मित्रा	स्वागत सम्बोधन तथा अध्यक्षीय भाषण	10:00- 10:10
डॉ नकुल पाराशर (निर्देशक, विज्ञान प्रसार)	मुख्य अतिथि द्वारा संबोधन	10:10-10:20
श्री मनोज अबुसरिया (संयुक्त निदेशक, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार)	विशिष्ट अतिथि द्वारा संबोधन	10:20-1030
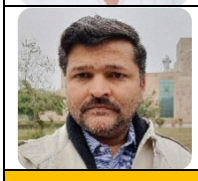 डॉ. अखिलेश मिश्रा अध्यक्ष, आयोजन समिति	धन्यवाद प्रस्ताव	10:30
स्वास्थ्य अन्तराल		**10:30-10:45**

प्रतिभागियों की संख्या सीमित है, भागीदारी केवल निमंत्रण द्वारा,

कार्यक्रम में भाग लेने के लिए डॉ. अखिलेश मिश्रा वैज्ञानिक-डी., akhilesh.m@gov.in से संपर्क करें

सत्र-1: आमंत्रित विशेषज्ञ व्याख्यान **परिनियामक (मॉडरेटर): डॉ. राघवेंद्र आश्रीत** वैज्ञानिक एफ, रा. म. अ. मौ. पू. के., नोएडा **प्रतिवेदक: श्री हरवीर** सिंह , परियोजना वैज्ञानिक, रा. म. अ. मौ. पू. के., नोएडा			**10:45-11:45**
	डॉ. आर.एस.कंकरा, वैज्ञानिक-जी, राष्ट्रीय तटीय अनुसन्धान केंद्र (एन. सी. सी. आर.), चेन्नई	जलवायु परिवर्तन के दौर में तटों के सतत प्रबंधन की आवश्यकता	10:45-11:05
	डॉ. सोम कुमार शर्मा, भौतिक अनुसन्धान प्रयोगशाला, अहमदाबाद	वायुमंडलीय बादलों और सीमा परत का लिडार द्वारा अध्ययन: भारतीय परिप्रेक्ष्य	11:05-11:25
	डॉ. मिलिंद मजुमदार, भारतीय उष्ण-देशीय मौसम विज्ञान संस्थान (आई. आई. टी. एम.), पुणे	आई. आई. टी. एम्. पुणे साईट पर स्थित अत्याधुनिक तकनीक – "(कॉसमाँस) कॉस्मिक-रे मृदा नमी अवलोकन प्रणाली" द्वारा क्षेत्रिय पैमाने पर मिट्टी की नमी की परिवर्तनशीलता का अध्ययन	11:25-11:45
स्वास्थ्य अन्तराल			11:45-12:00
सत्र-2: आमंत्रित विशेषज्ञ व्याख्यान **परिनियामक (मॉडरेटर): डॉ. इंदिरा रानी एस**, वैज्ञानिक एफ, रा. म. अ. मौ. पू. के., नोएडा **प्रतिवेदक: डॉ. अभिषेक लोध,** परियोजना वैज्ञानिक, रा. म. अ. मौ. पू. के., नोएडा			**12:00-1:00**
	डॉ. पंकज कुमार, भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसन्धान संस्थान (आई.आई.एस.ई.आर.), भोपाल	काराकोरम-हिमालय ग्लेशियरों पर जलवायु-परिवर्तन का प्रभाव और क्षेत्रीय जन संतुलन अनुमानों को संशोधित करने में पश्चिमी विक्षोभ की भूमिका: एक ग्लेशियर-जलवायु मॉडल मूल्याङ्कन	12:00-12:20
	डॉ. विमलेश पंत, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आई. आई. टी.), दिल्ली	बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती तूफ़ान के अधीन सागर की तरंगों तथा जलधाराओं का पारस्परिक प्रभाव	12:20-12:40
	डॉ. सुशील कुमार, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, नोएडा	जल संरक्षण की आत्मनिर्भर एवं परंपरागत प्रक्रिया से पर्यावरण संकट निवारण का एक सुलभ उपाय	12:40-1:00
दोपहर का भोजनावकाश			**1:00 – 2:00**

प्रतिभागियों की संख्या सीमित है, भागीदारी केवल निमंत्रण द्वारा,

कार्यक्रम में भाग लेने के लिए डॉ. अखिलेश मिश्रा वैज्ञानिक-डी., akhilesh.m@gov.in से संपर्क करें

सत्र-3 आमंत्रित विशेषज्ञ व्याख्यान **परिनियामक (मॉडरेटर): डॉ. डी. महापात्रा**, वैज्ञानिक ई, रा. म. अ. मौ. पू. के., नोएडा **प्रतिवेदक: श्री सुशांत कुमार**, परियोजना वैज्ञानिक, रा. म. अ. मौ. पू. के., नोएडा			**2:00-3:00**
	डॉ. जगवीर सिंह , पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, नई दिल्ली	जलवायु के विषम प्रभाव की चुनौतियों के संदर्भ में भारतीय जन-जीवन हेतु पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की कार्य योजना	2:00- 2:20
	डॉ. रंजीत सिंह, भारत मौसम विज्ञान विभाग, नई दिल्ली	आत्म निर्भर भारत में ग्रामीण-कृषि मौसम सेवा का योगदान	2:20-2:40
	डॉ. योगेश तिवारी, भारतीय उष्ण-देशीय मौसम विज्ञान संस्थान (आई. आई. टी. एम.), पुणे	भारत में वायुमंडलीय ग्रीनहाउस गैसों की परिवर्तनशीलता के तंत्र का रहस्योद्घाटन	2:40-3:00
स्वास्थ्य अन्तराल			**3:00 – 3:15**
सत्र-4 आमंत्रित विशेषज्ञ व्याख्यान **परिनियामक (मॉडरेटर): डॉ. आशीष रॉउत्रे**, वैज्ञानिक एफ, रा. म. अ. मौ. पू. के., नोएडा **प्रतिवेदक: गौरीशंकर,** शोध छात्र, परियोजना वैज्ञानिक, रा. म. अ. मौ. पू. के., नोएडा			**3:15-4:15**
	प्रो. जी.पी.सिंह, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी	इक्कीसवीं सदी में भारतीय उपमहाद्वीप पर वर्षा एवं तापमान परिवर्तन का पूर्वानुमान	3:15- 3:35
	डॉ. प्रफुल्ल कुमार सिंह, दक्षिणी बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय, गया	भूस्खलन की संवेदनशीलता का मानचित्रण भू-स्थानिक और हाइड्रो-मौसम संबंधी डेटा का उपयोग	3:35-3:55

प्रतिभागियों की संख्या सीमित है, भागीदारी केवल निमंत्रण द्वारा,
कार्यक्रम में भाग लेने के लिए डॉ. अखिलेश मिश्रा वैज्ञानिक-डी., akhilesh.m@gov.in से संपर्क करें

	डॉ. अरुन द्विवेदी, प्रगत संगणन विकास केंद्र (सी-डैक), पुणे	मौसम और पर्यावरण विज्ञान में तकनीकी विकास- आत्मनिर्भर भारत के प्रति सी-डैक का योगदान	3:55-4:15
स्वास्थ्य अन्तराल			**4:15-4:30**
सत्र-5 विशेषज्ञ व्याख्यान **परिनियामक (मॉडरेटर): डॉ. आशीष रॉउले**, वैज्ञानिक एफ, रा. म. अ. मौ. पू. के., नोएडा **प्रतिवेदक**: डॉ. अखिलेश मिश्रा, रा. म. अ. मौ. पू. के., नोएडा			**4:30-5:00**
	डॉ. इंदिरा रानी एस, रा. म. अ. मौ. पू. के., नोएडा	क्या भारत उपग्रह मौसम विज्ञान में आत्मनिर्भर है? एक संख्यात्मक मौसम भविष्यवाणी (एन डब्ल्यू पी) परिप्रेक्ष्य	4:30- 4:40
	श्री हरवीर सिंह, , परियोजना वैज्ञानिक, रा. म. अ. मौ. पू. के., नोएडा	भारत वर्ष में गर्मी का प्रकोप	4:40-4:50
कौशाम्बी ज्योति अभिजीत वी. गौरी शंकर शोध छात्र, रा. म. अ. मौ. पू. के., नोएडा		समाज के लिए मौसम पूर्वानुमान का महत्व	4:50-5:00
पैनल -चर्चा एवं निष्कर्ष			**5:00 – 5:15**

---------- **संगोष्ठी समापन** ----------

प्रतिभागियों की संख्या सीमित है, भागीदारी केवल निमंत्रण द्वारा,
कार्यक्रम में भाग लेने के लिए डॉ. अखिलेश मिश्रा वैज्ञानिक-डी., akhilesh.m@gov.in से संपर्क करें